CBSE Class 12 भूगोल भाग - 1

पाठ - 5 प्राथमिक क्रियाएं

पुनरावृति नोटस

अवधारणा मानचित्र

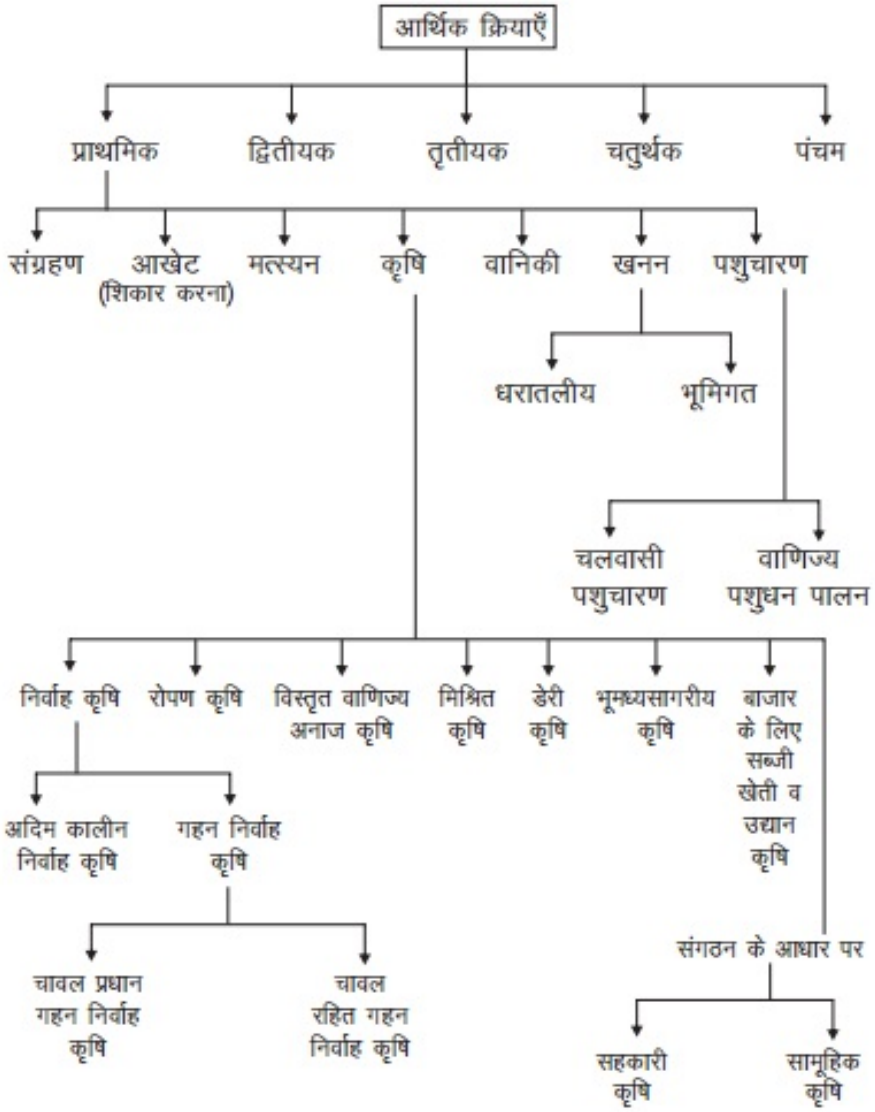

महत्वपूर्ण बिंदु

आर्थिक क्रियाये:- मनुष्य अपने जीवन में अनेक प्रकार के कार्य करता है। किन्तु वे सभी कार्य आर्थिक क्रियायों के अंतर्गत नहीं आते। मनुष्य के वे कार्य जिनसे आय प्राप्त होती है उन्हें ही आर्थिक क्रियाओं के अंतर्गत रखा जाता है।

मानव की इन आर्थिक क्रियाओं को चार वर्गों में रखा जा सकता है - प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक एवम् चतुर्थक क्रियाये। मानव विकास में तेजी के साथ आगे पंचम क्रियाओं का नया वर्ग भी उभर रहा है यहाँ हम क्रम से प्रत्येक वर्ग एवम् उनके अंतर्गत आने वाले

क्रिया कलापों का अध्ययन करेगे।

प्राथमिक क्रियाएं

- ये वे क्रियायें है जिनके लिए मनुष्य प्रत्यक्ष रूप से प्राकृतिक पर्यावरण पर निर्भर है।
- ये आर्थिक क्रियायें भूमि, जल, खनिज, आदि की उपलब्धता एवम प्रकार पर निर्भर करती है।
- इनके अंतर्गत मुख्यतः कृषि, पशुपालन, संग्रहण, आखेट, मतस्यपालन, लकड़ी काटना, खनन जैसे कार्य आते है।
- इन कार्यों के लिए मनुष्य को किसी अन्य कच्चे माल पर निर्भर नहीं होना पड़ता।
- मनुष्य के प्राचीनतम व्यवसाय संग्रहण तथा आखेट हैं।
- संग्रहण तीन पैमानों पर किया गया है।
  (1) जीविकापार्जन संग्रहण (2) वाणिज्यक संग्रहण (3) संगठित संग्रहण
- स्थानांतरी कृषि सबसे प्राथमिक कृषि है।
- भौतिक पर्यावरण - जलवायु (तापमान वर्षा) मृदा और उच्चावच फसलों की वृद्धि को नियंत्रित करते है।

प्रमुख क्षेत्र

1. चलवासी पशुचरण - उत्तर अफ्रीका, व मध्य अमेरिका का उष्णकटिबंधीय भाग तथा दक्षिणी पूर्वी एशिया |
2. विस्तृत वाणिज्य - स्टेपिज के यूरेशिया, उत्तर अमेरिका के प्रेयरीज, अजँटाइना, के पम्पास, दक्षिण अफ्रीका का वेल्डस, आस्ट्रेलिया का डाउन्स तथा न्यूजीलैंड के कँटरबरी घास मैदान |
3. डेयरी कृषि - उत्तरी पश्चिमी यूरोप, कनाडा तथा न्यूजीलैण्ड व आस्ट्रेलिया |
4. सहकारी कृषि - पश्चिमी यूरोप के डेनमार्क, नीदरलैण्ड, बेल्जियम, स्वीडन तथा इटली |
5. पुष्पोत्पादन - नीदरलैण्ड-ट्यूलिप
6. उद्यान कृषि - पश्चिमी यूरोप व उत्तर अमेरिका
7. मिश्रित कृषि - अत्याधिक विकसित भाग जैसे उत्तरी अमेरिका, उ. पश्चिमी यूरोप, यूरेशिया के कुछ भाग |
8. सामूहिक कृषि - सोवियत संघ (कोलखहोज)